भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. +3511
सोमवार, 20 दिसम्बर, 2021/29 अग्रहायण, 1943 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर प्रदेश में बौद्ध गलियारे

+3511. श्री भोलासिहं:
श्री राजा अमरेश्वर नाईकः
श्री विनोद कुमार सोनकरः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने कि कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर प्रदेश में बौद्ध गलियारे के अंतर्गत देश में पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किए जा रहे स्थलों की जिला-वार सूची क्या है;

(ख) उत्तर प्रदेश में बौद्ध गलियारे को जोड़ने के लिए किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में अब तक कितनी राशि स्वीकृत की गई है;

(ग) क्या सरकार का निकट भविष्य में इस संबंध में कोई उपाय करने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है; और

(ङ) सरकार द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान इस संबंध में क्या नई पहल की गई/कदम उठाए गए है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ड़) : पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन अवसंरचना सृजित करने के उद्देश्य से राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थयात्रा कायाकल्प, आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान' (प्रशाद) की अपनी योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मंत्रालय ने 'स्वदेश दर्शन' योजना के तहत उत्तर प्रदेश में एक परियोजना सहित बौद्ध परिपथ विषय के तहत पांच परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है, जिसके विवरण अनुबंध-क में दिए गए हैं। इसके अलावा, 17.93 करोड़ रुपए की राशि से एक अन्य परियोजना 'उत्तर प्रदेश और बिहार में मार्गस्थ सुविधाओं का विकास', वाराणसी-गया, लखनऊ-अयोध्या-लखनऊ; गोरखपुर-कुशीनगर; कुशीनगर-गया कुशीनगर को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। पर्यटन मंत्रालय की प्रशाद योजना के तहत, उत्तर प्रदेश राज्य में 7.34 करोड़ रुपए की लागत से धमेक स्तूप, सारनाथ में ध्वनि और प्रकाश शो और सारनाथ में बुद्ध थीम पार्क के लिए भी 2.20 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं।

माननीय प्रधान मंत्री ने 20 अक्टूबर 2021 को कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया, जो इस क्षेत्र से कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा उत्तर प्रदेश में बौद्ध स्थलों के लिए किए जा रहे संपर्कता से संबंधित कार्यों का विवरण अनुबंध- ख में है।

इसके अलावा, "बोधगया पर विशेष ध्यान देने के साथ भारत के ‘’बौद्ध संस्कृति और पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में पुनरुद्धार" के लिए एक समन्वित रणनीति विकसित करने के लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है। कार्य योजना में 4 कार्यक्षेत्रों के तहत हस्तक्षेप शामिल हैं: i) कनेक्टिविटी ii) आधारभूत संरचना और तंत्र iii) सांस्कृतिक विरासत, अनुसंधान और शिक्षा; और iv) जन जागरूकता, संचार और पहुंच कार्यक्रम की कार्य योजना के कार्यान्वयन के लिए पर्यटन मंत्रालय को निगरानी के लिए नोडल मंत्रालय बनाया गया है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी चल रही प्रचार गतिविधियों के हिस्से के रूप में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में देश के बौद्ध स्थलों सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों का समग्र प्रचार करता है।

*****

अनुबंध- क

उत्तर प्रदेश में बौद्ध गलियारे के संबंध में दिनांक **20.12.2021** को लोकसभा में उत्तर दिए जाने वाले लिखित प्रश्न संख्या +**3511** के भाग (क) से (ड़) के संदर्भ में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना के बौद्ध सर्किट विषय के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(राशि करोड़ में)

क्रमांक	**राज्य का नाम**	**स्वीकृति का वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**जारी की गई राशि**
1.	मध्य प्रदेश	2016-17	सांची-सतना-रीवा-मंदसौर-धार का विकास।	74.02	69.08
2.	**उत्तर प्रदेश**	2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास।	99.97	72.56
3.	बिहार	2016-17	बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	98.73	93.22
4.	गुजरात	2017-18	जूनागढ़ - गिर सोमनाथ- भरूच- कच्छ- भावनगर- राजकोट- मेहसाणा का विकास	28.67	22.28
5.	आंध्र प्रदेश	2017-18	आंध्र प्रदेश में शालिहुंडम-थोटलाकोंडा- बाविकोंडा- बोज्जानकोंडा- अमरावती- अनुपु बौद्ध परिपथ का विकास:	24.14	26.17

****

अनुबंध - ख

उत्तर प्रदेश में बौद्ध गलियारे के संबंध में दिनांक **20.12.2021** को लोकसभा में उत्तर दिए जाने वाले लिखित प्रश्न संख्या +**3511** के भाग (क) से (ड़) के संदर्भ में **विवरण**

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा उत्तर प्रदेश में बौद्ध स्थलों के लिए किए जा रहे संपर्कता से संबंधित कार्यों का विवरण

(करोड़ रुपए में)

क्रमांक	**विस्तार का नाम**	**लंबाई**	**अनुमानित लागत**	**स्थिति**
01	बोधगया- राजगीर- नालंदा बिहार शरीफ (पुराना एनएच -82)	92 कि.मी.	2138 रुपए	4- लेनिंग कार्य चल रहा है।
02	बिहारशरीफ से बख्तियारपुर एनएच (पुराना एनएच -31)	30 कि.मी.	1362 रुपए	4- लेनिंग कार्य चल रहा है।
03	बख्तियारपुर से पटना (पुराना एनएच -30)	50 कि.मी.	574 रुपए	4- लेनिंग कार्य पूरा हो चुका है।
04	पटना-वैशाली-रामपुर खजुरिया (एनएच -139 पश्चिम)	120 कि.मी.	3080 रुपए	डीपीआरके तहत
05	रामपुर खजुरिया- उत्तर प्रदेश /बिहार सीमा-कुशीनगर (एनएच-27)	157 कि.मी.	Rs 1187 रुपए	4- लेनिंग कार्य पूरा हो चुका है।

कुशीनगर - गोरखपुर - सिद्धार्थनगर - श्रावस्ती

क्रमांक	विस्तार का नाम	लंबाई	अनुमानित लागत	स्थिति
01	कुशीनगर से गोरखपुर (एनएच -27)	85 कि.मी.	1390 करोड़ रुपए	4- लेनिंग कार्य पूरा हो चुका है।
02	गोरखपुर से सिद्धार्थनगर (एनएच-730)	98 कि.मी.	396 करोड़ रुपए	2- पक्की पगडंडी के साथ लेनिंग कार्य पूरा हो चुका है।
03	सिद्धार्थनगर-श्रावस्ती (एनएच -730)	173 कि.मी.	130 करोड़ रुपए	2- पक्की पगडंडी के साथ लेनिंग कार्य पूरा हो चुका है।

सिद्धार्थनगर - वाराणसी

क्रमांक	विस्तार का नाम	लंबाई	अनुमानित लागत	स्थिति
01	सिद्धार्थनगर - बस्ती - टांडा (एनएच -233):	122 कि.मी.	1535 करोड़ रुपए	2-पक्की पगडंडी के साथ लेनिंग कार्य पूरा हो चुका है।
02	टांडा– वाराणसी (एनएच **-233)**	177 कि.मी.	2201 करोड़ रुपए	4 लेन का कार्य चल रहा है /पूर्ण

- **वाराणसी से कुशीनगर**

क्रमांक	**विस्तार का नाम**	**लंबाई**	**अनुमानित लागत**	**स्थिति**
01	वाराणसी-गोरखपुर (पुराना एनएच -29)	222 कि.मी.	2999 करोड़ रुपए	4 लेन का का कार्य चल रहा है (लंबाई - 72 कि.मी.) और 4 लेन का का कार्य चल रहा है (लंबाई - 65 कि.मी.)
02	गोरखपुर - कुशीनगर			4 लेन का का कार्य चल रहा है (लंबाई - 85 कि.मी.)

- **<u>वाराणसी से बोधगया</u>**

क्रमांक	**विस्तार का नाम**	**लंबाई**	**अनुमानित लागत**	**स्थिति**
01	वाराणसी - डोभी (एनएच -2):	255 कि.मी.	3312 करोड़ रुपए	6 लेन का का कार्य चल रहा है (लंबाई - 240 कि.मी.)
02	डोभी- बोधगया (पुराना एनएच -83)			4 लेन का का कार्य चल रहा है (लंबाई - 15 कि.मी.

*****